अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''चंद्रकांता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' 1 - 14

1.1 व्यक्तित्व।

1.1.1 जन्म।

1.1.2 माता-पिता।

1.1.3 परिवार।

1.1.4 शिक्षा।

1.1.5 बचपन।

1.1.6 शादी।

1.1.7 नौकरी।

1.1.7.1 कश्मीर से पिलानी।

1.1.7.2 पिलानी (राजस्थान) से हैद्राबाद।

1.1.7.3 कश्मीर से उड़िसा।

1.1.8 साहित्य सृजन।

1.1.9 अभिरूचियाँ।

1.1.10 व्यक्तित्व के विभिन्न पहलू।

1.1.10.1 कवयित्री।

1.1.10.2 कहानीकार।

1.1.10.3 उपन्यासकार।

1.2 कृतित्व की पहचान।

1.2.1 कृतित्व।

1.2.1.1 कविता संग्रह।

1.2.1.2 कहानी संग्रह।

1.2.1.3 उपन्यास।

1.2.2 शीघ्र प्रकाश्य।

1.2.3 पुरस्कार।

1.2.4 भ्रमण।

1.2.5 लेखन।

1.2.6 संप्रति।

निष्कर्ष।

द्वितीय अध्याय - ''चंद्रकांता की कहानियों का संक्षिप्त परिचय'' 15-54

2.1 'सूरज उगने तक' कहानी संग्रह।

2.1.1 सूरज उगने तक ।

2.1.2 पहाड़ी बारिश।

2.1.3 कित्ये जाणा पुत्तर ?।

2.1.4 रहमते बारान।

2.1.5 नानी तुम ?।

2.1.6 मामला घर का।

2.1.7 तुमने कोशिश तो की।

2.1.8 शेष होता साम्राज्य।

2.1.9 बात ही कुछ और।

2.1.10 देश काल।

2.1.11 सच और सच का फासला।

2.1.12 चुनमुन चिरैया।

2.1.13 एक लड़की शिल्पी।

2.1.14 इंतजार बरकरार।

2.1.15 जंगली जलेबी।

2.1.16 प्यारिया तो बौरा गया।

2.1.17 नौवें दशक की दोस्ती।

2.1.18 पापा तो बस।

2.1.19 रामबिल्ले की दस्तक।

2.1.20 अनार के फूल।

2.1.21 मुक्ति-प्रसंग।

2.1.22 वितस्ता की जहर।

2.1.23 चक्रव्यूह।

2.2 'दहलीज पर न्याय' कहानी संग्रह।

2.2.1 दहलीज पर न्याय।

2.2.2 हत्यारा।

2.2.3 मोह।

2.2.4 करीने के कायल।

2.2.5 एक अध्याय का अंत।

2.2.6 एक युद्ध और।

2.2.7 बावजूद इसके।

2.2.8 फिलहाल।

2.2.9 अभी वे जिंदा है।

2.2.10 शिकायतें।

2.2.11 दुर्गी देखेगी छब्बीस जनवरी।

2.2.12 गंगा नहाने के बाद।

2.2.13 धराशायी।

2.2.14 नूराबाई।

2.2.15 पुनर्जन्म।

निष्कर्ष।

तृतीय अध्याय - ''चंद्रकांता की कहानियों में चित्रित मध्यवर्गीय समाज का स्वरूप'' 55-67

3.1 वर्तमान समाज का स्वरूप।

3.1.1 उच्च वर्ग।

3.1.2 मध्य वर्ग।

3.1.3 निम्न वर्ग।

3.2 मध्य वर्ग : परिभाषा एवं स्वरूप।

3.3 चंद्रकांता की कहानियों में चित्रित मध्य वर्ग।

निष्कर्ष।

चतुर्थ अध्याय - ''चंद्रकांता की कहानियों में चित्रित मध्यवर्गीय समाज जीवन की समस्याएँ'' 68-98

4.1 सामाजिक समस्याएँ।

4.1.1 परिवार एवं दांपत्य संबंध की समस्या।

4.1.2 टूटते दांपत्य संबंध।

4.1.3 विवाह की समस्या।

4.1.4 नारी समस्या।

4.1.5 दहेज समस्या।

4.1.6 अंतर्जातीय विवाह की समस्या।

4.1.7 दिखावटी प्रेम की समस्या।

4.1.8 असफल प्रेम की समस्या।

4.1.9 अकेलेपन की समस्या।

4.1.10 अविश्वास की समस्या।

4.1.11 अस्पताल की समस्या।

4.1.12 बाल मनोवैज्ञानिक समस्या।

4.2 आर्थिक समस्याएँ।

4.2.1 बेकारी की समस्या।

4.2.2 गरीबी / भूख की समस्या।

4.3 धार्मिक समस्याएँ।

4.3.1 अंधश्रद्धा की समस्या।

4.3.2 सामाजिक रूढ़ि एवं परंपरा।

4.3.3 आतंकवाद की समस्या।

4.4 राजनीतिक समस्याएँ।

4.4.1 भ्रष्टाचार की समस्या।

4.4.2 अफसर लोगों का नौकरों पर अत्याचार।

4.4.3 रक्षक ही भक्षक बनने की समस्या।

निष्कर्ष।

पंचम अध्याय - "मध्यवर्गीय जीवन-चित्रण एवं कहानी कला की दृष्टि से विवेच्य कहानियों की विशेषताएँ" 99-123

5.1 मध्यवर्गीय समाज जीवन की विशेषताएँ।

5.1.1 झूठ और पाखंड़ की प्रवृत्ति का चित्रण।

5.1.2 घृणित प्रवृत्तियों का चित्रण।

5.1.3 लोक कल्याणकारी पात्रों का चित्रण।

5.1.4 सामाजिक आदर्श का चित्रण।

5.1.5 सामाजिक यथार्थ का चित्रण।

5.1.6 संघर्ष का चित्रण।

5.1.7 सामाजिक विसंगतियो का चित्रण।

5.1.8 अंधविश्वास एवं रूढ़ि परंपरा का चित्रण।

5.2 कहानी कला की दृष्टि से चंद्रकांता की कहानियों की विशेषताएँ।

5.2.1 शीर्षक।

5.2.2 कथानक।

5.2.3 चरित्र-चित्रण।

5.2.4 कथोपकथन / संवाद।

5.2.5 देश काल-वातावरण।

5.2.6 भाषा शैली।

5.2.7 उद्देश्य।

निष्कर्ष।

उपसंहार। 124-129

परिशिष्ट । 130-138

संदर्भ ग्रंथ-सूची। 139-140